डॉ. के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार, माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश (सचिव भारत सरकार स्तर) का दिनांक 30 जून 2021 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र की समीक्षा बैठक कार्यक्रम की कार्यवाही

दिनांक 30 जून 2021 को दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर में डॉ के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार माननीय मुख्यमन्त्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, प्रो. अजय सिंह सम्मिलित हुए। बैठक में डॉ. संदीप कुमार सिंह द्वारा महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र का प्रगति प्रतिवेदन (नवम्बर 2020 से जून 2021) एवं कार्य योजना (जुलाई से दिसम्बर 2021) का प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रस्तुति उपरान्त डॉ. के.वी. राजू एवं अन्य सदस्यों द्वारा निम्नलिखित सुझाव एवं निर्देश दिये गये –

सुझाव एवं निर्देश

डॉ. प्रदीप कुमार राव

1. केन्द्र के रिवाल्विंग खाते में कितना रुपये हैं। विगत वर्षों में कितना शुद्ध लाभ सत्रवार प्राप्त हुआ है। नेट हाउस, पाली हाउस, हाइड्रोपोनिक इकाई एवं गुड़ उत्पादन इकाई में अभी तक लागत एवं लाभ के सम्बन्ध में सूचना मांगी गयी है। गुड़ इकाई अभी तक क्यों नहीं चल रहा है के सन्दर्भ में जानकारी मांगी गई है।
2. भविष्य में कृषि विज्ञान केन्द्र किन विशेषताओं से जाना जाएगा इस सन्दर्भ में सूचना मांगा गया।

प्रो. राजेश सिंह

1. सभी लोग कार्पोरेट मोड में कार्य करें।
2. सीड प्रोडक्शन इंटरवेंशन को आगे बढ़ायें।
3. आर.के.वी.वाई. योजना के अनुसार प्राप्त बजट का कार्य सी.ए. के साथ परामर्श लेकर कार्य करें।
4. सीड प्रोडक्शन में स्टोरेज के उपर परियोजना तैयार करें।
5. सभी प्रोजेक्ट को आईकान के रुप में स्थापित करने हेतु कार्य करें।
6. वर्मी कम्पोस्ट परियोजना पर इस तरह कार्य करें की ये विशेषता के रुप में जाना जाय।
7. बकरी पालन परियोजना पर बेहतर तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है। भविष्य में अपना ब्रीड तैयार करने हेतु सी.आई.आर.जी., मथुरा से वार्ता कर कार्य करें।
8. के.वी.के हेड कालानमक, सीड प्रोडक्शन, वर्मी कम्पोस्ट, बकरीपालन, मधुमक्खीपालन, अगरबत्ती को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करें और किसान सहभागिता के साथ कार्य करें।
9. सभी विशेषज्ञ अपने ट्रायल के अन्तर्गत अपने मैनडेट बनाकर अपना नया बीज निकालकर कार्य करें। जहाँ का ट्रायल कराया जा रहा है वहां से एम.ओ.यू. कर कृषि विज्ञान केन्द्र के फायदे के लिए कार्य करें।
10. एफ. पी. ओं. का कार्य लोग एकेडमिक रुप में कर रहे हैं उसको कार्पोरेट मोड में कार्य करने की दिशा में कार्य करें।
11. डी.डी.यू द्वारा एफ.पी.ओ. के लिए कार्यशाला का आयोजन होगा जिसमें डी.डी.यू. द्वारा 5 एफ.पी.ओ. का चयन किया जाएगा व उनको नाबार्ड द्वारा ग्रांट दिलाकर कार्य किया जायेगा।
12. के.वी.के. एस.एफ.ए.सी. के फार्मेट में डाटाबेस तैयार करें। वही डाटाबेस काम में आयेगा। इसी आधार पर डीडीयू – केवीके कार्य करेगा। एफ.पी.ओ. को बीस लाख ग्रांट मिल सके उस दिशा में कार्य करें। एस.एफ.ए.सी. से ग्रांट मिलने के बाद ही ग्रांट मिलेगा।

24/7/21 24.07.2021 24/7/21 24/7/21 24/7/21 24/7/21

13. एस.एफ.ए.सी की गाईडलाइन स्टडी करें एवं उसके अनुसार कार्य करें। कृषि विज्ञान केन्द्र एफ.पी.ओ. को बढ़ावा दे।
14. PPP model पर टेन्डर डाक्यूमेंट तैयार करने हेतु एक्सपर्ट की व्यवस्था DDUGU Gorakhpur द्वारा किया जायेगा
15. एस.एफ.ए.सी. की वेबसाइट पर 24 बैंक का नाम है उनमें से किसी बैंक में एफ.पी.ओ. का खाता खोला जा सकता है।
16. किसी एक व्यक्ति को ही एफ.पी.ओ. में इन्वाल्व किया जाय। अतः डॉ. राहुल कुमार सिंह को एफ.पी.ओ. से जुड़े कार्य करने की जिम्मेदारी दिया गया है।

डॉ. के.वी. राजू

1. डॉ. संदीप कुमार सिंह लीड बैंक के एग्रीकल्चर अधिकारी से वार्ता कर 3 जुलाई 2021 तक डॉ. संदीप कुमार सिंह, माननीय कुलपति जी एवं एग्रीकल्चर अधिकारी एफ.पी.ओ. के खाता खोलने के सम्बन्ध में वार्ता करेंगे।
2. श्री अवनीश कुमार सिंह अच्छे से अच्छा गोडाउन का डिजाइन देखकर बातये। गोडाउन हेतु नाबार्ड से प्रोजेक्ट लेने पर कार्य किया जाए।
3. आर.के.वी.वाई. के सारे प्रोजेक्ट पी.पी.पी. मोड पर आये हैं। अतः तीन करोड़ के पैकेज को 9 करोड़ के लागत का बनाना है।
4. टेन्डर के विज्ञापन का प्रारुप को डॉ. संदीप कुमार सिंह द्वारा समाचार पत्रों से वार्ता कर 10 जुलाई 2021 को प्रकाशित कराना है।
5. निविदा को वेबसाइट पर अपोलड होने के बाद निविदा से सम्बन्धित निविदाकार द्वारा किये गये प्रश्न पर प्रतिउत्तर डॉ. विवेक प्रताप सिंह द्वारा दिया जायेगा।
6. 3 दिन में Project का Technical Details तैयार करना है
7. टेन्डर में टर्म रिफरेन्स क्या है प्रोजेक्ट क्या है यह स्पष्ट होना चाहिए।
8. टेन्डर की इवैलुएशन क्राइटेरिया क्या होगा सलेक्शन प्रासेस क्या होगा सभी टेन्डर डाक्यूमेंट में क्लीयर होना चाहिए।
9. टेन्डर के इवैलुएशन एवं सलेक्शन हेतु डीडीयू के कुलपति की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट के आधार पर उससे सम्बन्धित आई.सी.ए.आर. या अन्य संस्थान के विशेषज्ञ की कमेटी बानायी जाय एवं उस आधार पर सलेक्शन किया जाय।
10. अगामी सभी बैठकों में प्रजेंटेशन ग्राफिकल आधार पर देना है।
11. सभी इकाईयों के आय व्यय का के.वी.के. के आधार पर , विषय वस्तु विशेषज्ञ के आधार पर एवं इकाई व एक्टिविटी के आधार पर होना चाहिए।
12. प्रस्तुतिकरण में सभी एक्टिविटी (ओ.एफ.टी, एफ.एल.डी., ट्रेनिंग इत्यादि) का इम्पैक्ट इंडिकेटर क्या है इसका एक स्लाइड लगाना है।
13. 5 आर.के.वी.वाई. प्रोजेक्ट का आउटपुट और इम्पैक्ट क्या होगा जोड़ना है क्योंकि प्रोजेक्ट कम्पलीट होने के बाद उसका इवैलुवेशन होगा।
14. किसान का डेटा एस.एफ.ए.सी. के फार्मेट में एकत्र कर वेबसाइट पर डालना है।

अजय सिंह

1. किसानों को अच्छी गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराया जाय।